

प्रेषक,

जिलाधिकारी,  
उत्तरकाशी।

सेवा में,

सचिव,  
आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग,  
उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।

संख्या:-361

/तेरह-आ0प्र0प्राधि0/2020-21

दिनांक 26 अगस्त, 2022

विषय:-

गौमुख क्षेत्र का सर्वेक्षण किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक विगत वर्ष भागीरथी नदी घाटी में स्थित गंगोत्री हिमनद (Gangotri Glacier) के सम्भरण क्षेत्र में भूस्खलन के कारण झील बनने की सूचना पर पर मा0 उच्च न्यायालय एवं शासन द्वारा उक्त क्षेत्र में सम्भावित जोखिम की सर्तकता के दृष्टिगत निगरानी हेतु दिये गये निर्देशानुसार जनपद स्तर से प्रत्येक माह उक्त क्षेत्र का सर्वेक्षण करवाया जा रहा है।

इसी क्रम में क्षेत्रीय वनाधिकारी, गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क, उत्तरकाशी की संलग्न निरीक्षण आख्या दिनांक 20.08.2022 के द्वारा अवगत कराया गया है कि वन विभाग के दल द्वारा दिनांक 16 एवं 17 अगस्त, 2022 को उक्त भोजवासा/गोमुख क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के दौरान पाया गया है कि नदी का प्रवाह पूर्व दिशा एवं स्थिति में अपने बहान में निरन्तर बह रही है, नदी के बहान में किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं है तथा गोमुख क्षेत्र में कोई भौगोलिक परिवर्तन नहीं देखने में आया है।

अतः उक्त निरीक्षण की आख्या संलग्न कर सादर सेवा में प्रेषित है।

संलग्न-यथोपरि

भवदीय,



अपर जिलाधिकारी,  
उत्तरकाशी।

प्रतिलिपि:-

अधिशायी निदेशक, राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (क्रियान्वयन शाखा),  
सचिवालय, परिसर उत्तराखण्ड शासन देहरादून की सेवा में सूचनार्थ  
प्रेषित।



अपर जिलाधिकारी,  
उत्तरकाशी।

सेवा में,

जिलाधिकारी  
उत्तरकाशी।

विषय:- गोमुख भ्रमण।

महोदय,

निवेदन करना है कि गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क के अन्तर्गत मेरे नेतृत्व में दिनांक 16.08.2022 एवं 17.08.2022 को वन कर्मियों की एक टीम गोमुख भ्रमण पर गयी थी, भ्रमण के दौरान देखने में आया है कि गोमुख से भागीरथी नदी का प्रवाह पूर्वत दिशा एवं स्थिति में अपने बहाव में निरन्तर बह रही है, नदी के बहाव में किसी भी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं हैं और न ही गोमुख क्षेत्र में कोई भौगोलिक परिवर्तन देखने में आया है।

अतः सूचना प्रेषित।

दिनांक-20.08.2022

भवदीय

वन क्षेत्राधिकारी,  
गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क,  
उत्तरकाशी।